भाग एक

मुख्यालय

PART I

HEADQUARTERS

अध्याय-I

आकाशवाणी का इतिहास

क्रम संख्या	विषय	पैरा
1.	आकाशवाणी का उदय	1.1.1-4
2.	आकाशवाणी के गठन का उद्देश्य	1 1.5-6
3.	आकाशवाणी का विकास	1.1.7-10
4.	आकाशवाणी के उद्देश्य	1.1.11-12
5.	आकाशवाणी के लिए 3 टिअर प्रसारण पद्धति	1.1.13
6.	आकाशवाणी की महत्वपूर्ण घटनाएं	1.1.14
7.	महानिदेशकों के नाम	1.1.15

अनुलग्नक

i प्रसारण की महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक नजर

ii महानिदेशकों के नाम

CHAPTER I

History of All India Radio

Sl. No.	Subject	Paras
1.	Birth of All India Radio	1.1.1-4
2.	Purpose of the Constitution of AIR	1.1.5-6
3.	Growth of AIR	1.1.7-10
4.	Objective of AIR	1.1.11-12
5.	3-Tier Broadcasting System for AIR	1.1.13
6.	Important Events of Broadcasting	1.1.14
7.	Names of Director General	1.1.15

Annexure

I.	Important Events of Broadcasting	
II.	Names of Directors General.	

अध्याय-I

आकाशवाणी का इतिहास

1.1.1. आकाशवाणी का उदय

भारत में नियमित प्रसारण सेवा के इस विचार को सर्वप्रथम 1926 में भारत सरकार और 'दि इण्डियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी' नामक एक प्राइवेट कम्पनी के बीच हुए एक समझौते के रूप में मूर्तरूप दिया गया। इस समझौते के अधीन एक बम्बई में तथा दूसरे कलकत्ता केन्द्रों के निर्माण के लिए एक लाइसेंस दिया गया था। तद्नुसार, 23 जुलाई, 1927 को बम्बई केन्द्र का उद्घाटन किया गया।

1.1.2. अप्रत्याशित रूप से लगभग तीन वर्ष बाद 1 मार्च, 1930 को कम्पनी बन्द हो गई। इससे ऐसा लगने लगा था मानों भारत में प्रसारण का कार्य विफल हो गया जबकि अन्य देश बहुत अच्छी प्रगति कर रहे थे। लेकिन सरकार ने जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए इण्डियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी की परिसम्पत्तियां अधिग्रहण करने और उसके द्वारा बम्बई तथा कलकत्ता में चलाए जा रहे दोनों केन्द्रों को 1 अप्रैल, 1930 से दो वर्षों की अवधि के लिए प्रयोगात्मक आधार पर चलाने का निर्णय लिया। अन्तिम रूप से भारत सरकार ने मई 1932, में अपने प्रबन्ध के अधीन इण्डियन स्टेट ब्राडकास्टिंग-सेवा को जारी रखने का निर्णय किया तथा इसे उद्योग और श्रम विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कर दिया।

1.1.3. मार्च, 1935 में उद्योग और श्रम विभाग के अधीन कार्य करने के लिए प्रसारण नियंत्रक के अधीन एक स्वतंत्र विभाग का गठन किया गया। जून, 1936 में 'इण्डियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सेवा' का नाम बदलकर 'आकाशवाणी' कर दिया गया। नवम्बर, 1937 में प्रसारण को संचार विभाग में स्थानान्तरित करं दिया गया और बाद में अक्तूबर, 1941 में इसे सूचना और प्रसारण विभाग में स्थानान्तरित कर दिया गया। 23 फरवरी, 1946 से इस विभाग का 'सूचना और कला' विभाग के रूप में पुनर्गठन किया गया। 10 सितम्बर, 1946 से विभाग का नाम बदलकर पुनः सूचना और प्रसारण विभाग कर दिया।

1.1.4. वास्तव में भारत में प्रसारण के क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध के साथ परिवर्तन आया। युद्ध ने सरकार के लिए यह आवश्यक बना दिया कि सरकार युद्ध प्रयासों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आकाशवाणी संगठन का विस्तार करे। अधिकांश समाचार सेवाएं और विदेश सेवा युद्ध के वर्षों के दौरान प्रारम्भ की गई। जब भारत स्वतन्त्र हुआ तो आकाशवाणी के दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, लखनऊ और तिरुचि नाम केवल छः केन्द्र थे और कुल ट्रांसमीटरों की संख्या 18 थी, जिसमें छः "मीडियम वेव" तथा बाकी "शार्ट वेव" थे। इन शहरों के शहरी क्षेत्रों तक ही "मीडियम वेव" को सुना जाता था। रियासतों के विलय से इन क्षेत्रों में कार्य कर रहे पांच प्रसारण केन्द्र आकाशवाणी के अधीन आ गए। 1947 में स्वतन्त्रता के समय कुल रेडियो सैटों की संख्या केवल 2,75,000 थी परन्तु अब रेडियो और टेलीविजन लगभग हर घर में मौजूद हैं।

1.1.5 आकाशवाणी के गठन का उद्देश्य

अनेक प्रकार के प्रसारणों में कार्यक्रमों के कुशलतापूर्वक पर्यवेक्षण तथा उच्च स्तर बनाए रखने के लिए यह आवश्यक समझा गया कि अलग से एक विभाग हो, जिसमें निम्नलिखित बातें शामिल हों :–

जनता के मनोरंजन और उन्हें शिक्षित करने के लिए अच्छे कार्यक्रमों – संगीत, संस्कृति, सामयिक समाचार, साहित्य तथा विज्ञान, कृषि, परिवार कल्याण, जन सम्पर्क आदि में विशेषज्ञता की पृष्ठभूमि तथा रुचि रखने वाले कार्यक्रम व्यावसायिक हों, जो कि यथोचित प्रबुद्ध व्यक्तियों की खोज करने के अतिरिक्त अच्छे, कार्यक्रमों के लिए सामग्री खोज सकें तथा विभिन्न कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर सकें।

CHAPTER I

HISTORY OF ALL INDIA RADIO

1.1.1. Birth of All India Radio :

The idea of a regular Broadcasting Service in India took shape for the first time in 1926, in the form of an agreement entered into between the Government of India and private company called the Indian Broadcasting Company Ltd., Under that agreement, a licence for the constructions of two stations, one at Bombay and the other at Calcutta, was granted. The Bombay Station was accordingly inaugurated on 23rd July, 1927.

1.1.2. Unexpectedly, after about three years, the Company went into liquidation on 1st March, 1930. It looked as though introduction of broadcasting had failed in India while the other countries were making good progress. In response, however, to popular demand, the Government decided to acquire the assets of the Indian Broadcasting Company and run the two Stations, at Bombay and Calcutta, on an experimental basis for a period of two years from 1st April, 1930. Finally, the Government decided in May, 1932 to continue the Indian State Broadcasting Service under their own management and placed it under the administrative control of the Department of Industries and Labour.

1.1.3. In March, 1935, a separate Department under a Controller of Broadcasting was constituted to work under the Department of Industries and Labour. In June, 1936, 'All India Radio' replaced the earlier nomenclature of the 'Indian State Broadcasting Service'. Broadcasting was transferred to the Department of Communications in November, 1937 and was later transferred to the Department of Information & Broadcasting in October, 1941. This Department was reconstituted as the Department of Information and Arts from 23rd February, 1946. The name of the Department was again changed to the Department of Information & Broadcasting from 10th September, 1946.

1.1.4. The real break for broadcasting in India came with World War II. The War also made it necessary for the Government to expand the broadcasting organisation so as to meet the requirements of its war effort. Most of the News Services and the External Services originated during the war years. When India became free, the AIR network had only six stations Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Lucknow and Tiruchi with a total complement of 18 transmitters, six of them on medium wave and the others on shortwave. Listening on medium wave was confined to the urban areas in these cities. With the integration of princely states, AIR took over five broadcasting centres functioning in these areas. The total number of radio sets at the time of independence in 1947 was a mere 2,75,000, but now-a-days Radio & T.V. is available almost in every house.

1.1.5. Purpose for the Constitution of All India Radio :

For the efficient supervision of programmes and for the maintenance of high standards in the several types of broadcast, it was considered essential to have a self-contained department consisting of—

Programme Professionals with a background and taste for music, culture, current affairs, literature and specialisation in science, agriculture, family welfare, public relations, etc. to discover suitable talents and material for good programmes and present the various programmes in an effective and attractive manner for entertainment and educating the masses.

1.1.6. इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आकाशवाणी का सृजन किया गया और तब से यह लगातार विकास तथा सुदृढ़ता की दिशा में अग्रसर है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन महानिदेशक, आकाशवाणी का विभागाध्यक्ष है।

1.1.7. आकाशवाणी का विकास

भारत में प्रसारण एक राष्ट्रीय सेवा है, जिसका विकास तथा प्रचालन भारत सरकार द्वारा किया जाता है। आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण के 14 प्रसारण एककों में से सबसे बड़ा है। स्वतन्त्रता के पश्चात् इसने काफी प्रगति की है। 1947 में इसके अधीन देश का केवल 2.5% क्षेत्र और 11% जनता आती थी तथा केवल 6 प्रसारण केन्द्र ही कार्यरत थे। इस समय कार्य कर रहे प्रसारण केन्द्रों की संख्या बढ़कर 91 हो गई है। वर्तमान समय में आकाशवाणी 167 ट्रांसमीटरों की सहायता से 91 प्रसारण केन्द्रों के जाल द्वारा देश की 80% से अधिक जनता तथा कुल क्षेत्र के 80% की सेवा कर रहा है, जिसमें लेह और तवांग जैसे दुर्गम केन्द्र और अंडमान तथा निकोबार और लक्षद्वीपों जैसे दूरस्थ स्थान भी शामिल हैं।

1.1.8. भारत में आकाशवाणी 21 मुख्य भाषाओं तथा 246 जनजातीय तथा स्थानीय भाषाओं में प्रसारण करता है। इसका उद्देश्य लोगों तक पहुंचना है तथा विभिन्न राज्यों की अलग-अलग अपेक्षाओं को पूरा करना है। आकाशवाणी के मीडियम वेव नेटवर्क में लगभग 130 ट्रांसमीटर हैं, जिनकी शक्ति 1 कि.वा. से 100 कि.वा. है वर्तमान समय में मीडियम वेव ट्रांसमीटरों से लगभग 90% जनसंख्या को अनुमानतः प्राइमरी ग्रेड दिवसीय सेवा प्रदान की जा रही है।

1.1.9. मीडियम वेव में प्रदान की जाने वाली प्रथम ग्रेड सेवा के अतिरिक्त शार्ट वेव ट्रांसमीटरों का भी नेटवर्क है जो कि भारत में सैकेण्ड ग्रेड बैक अप प्रसारण करता है। आकाशवाणी ने मद्रास, कलकत्ता और बम्बई से भी एक एफ.एम. सेवा प्रारम्भ की है और यह प्रसारण प्रत्येक केन्द्र पर 3 कि.वा. एफ.एम. ट्रांसमीटर से किया जाता है ऐसा दूरदर्शन टावर पर 175 मीटर की ऊंचाई पर लगे एन्टीना सिस्टम से "फीड़ बैंक" से किया जाता है जो 15 कि.वा. प्रभावी रेडियोटिड शक्ति प्रदान करता है। इससे व्यवधान रहित "लाइन आफ साइट" के भीतर उच्च क्वालिटी की सेवा प्रदान की जाती है। दिल्ली में भी इस प्रकार की सेवा चालू की गई है।

1.1.10. विदेश सेवा में, आकाशवाणी पूरे विश्व में 54 देशों में प्रसारण करता है। उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं के अतिरिक्त भारतीय उपमहाद्वीप में बोली और समझी जाने वाली 7 भारतीय भाषाओं और 16 विदेशी भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है।

1.1.11. आकाशवाणी के उद्देश्य

भारत में प्रसारण राष्ट्रीय सेवा होने के कारण यह जन संचार का अत्याधिक शक्तिशाली साधन है। भारत जैसे विकासशील देश जहां कि अन्य प्रचार साधन इतनी सुगमता से उपलब्ध नहीं होते हैं, आकाशवाणी सूचना और शिक्षा के साधक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

1.1.12. आकाशवाणी सुदृढ़ प्रसारण माध्यम के जरिए समस्त देश की जनता को शीघ्रता से सरकार की नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के बारे में कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रदान करता है। आकाशवाणी जनता को महत्वपूर्ण सूचना, समाचार और सामयिक महत्व की वर्तमान-कालिक घटनाओं के बारे में भी सूचना प्रदान करता है तथा पर्याप्त रुचिकर मनोरंजन कार्यक्रम भी प्रसारित करता है। आकाशवाणी अपने प्रसारण के माध्यम से शिक्षा, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है तथा भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को भी विकसित करता है। यह प्राकृतिक विपदाओं के दौरान जनता और सरकारी विभागों को तत्काल सूचना प्रदान कर समय पर सहायता पहुंचाने का भी कार्य करता है। आकाशवाणी की विज्ञापन सेवा के माध्यम से वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने तथा सेवा प्रदान करने में सहायता करता है। संक्षेप में, आकाशवाणी सांस्कृतिक, शैक्षिक, वैज्ञानिक, कृषि सम्बन्धी, स्वास्थ्य सम्बन्धी, विज्ञान सम्बन्धी, ललित कला तथा सामाजिक सांस्कृतिक विषयों आदि पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम तैयार कर विभिन्न भाषाओं के माध्यम से लोगों को सूचना प्रदान करता है, शिक्षित करता है तथा उन्हें मनोरंजन प्रदान करता है एवं विज्ञापन प्रसारण के माध्यम से वह सरकार को पर्याप्त राजस्व भी कमाकर देता है।

1.1.6. All India Radio was created to meet these requirements and is being continuously developed and strengthened. Director General, All India Radio is the head of the Department under the Ministry of Information & Broadcasting.

1.1.7. Growth of All India Radio :

Broadcasting in India is a national service developed and operated by the Government of India. All India Radio or 'Akashvani' is the biggest of the 14 Media Units of the Ministry of Information & Broadcasting. It has achieved phenomenal progress since Independence. In 1947,it covered only 2.5% area and 11% population of the country, with the help of 6 Broadcasting Centres. The number of Broadcasting Centres now in operation has risen to 91. With a net work of 91 Broadcasting Centres, supported by 167 transmitters, AIR now serves more than 90% of the population and about 80% of the total area of the country, including difficult places like Leh and Tawang and distant areas as the Andaman Nicobar and Lakshadweep Islands.

1.1.8. In its Home Services, AIR broadcasts programmes in 21 major languages and 246 tribal and other dialects. The objective are to instantly reach the people, meeting their diverse requirements, in different States. All India Radio has a medium wave network consisting of about 130 transmitters with powers carrying from 1 KW to 100 KW. The estimated primary grade day-time service from these MW transmitters is about 90% of population at present.

1.1.9. In addition to the first grade service provided on medium wave, there is a network of shortwave transmitters which provide a second grade back up coverage for the Home Service. AIR has also started FM Service from Madras, Calcutta and Bombay broadcasting on a 3 KW FM transmitter at each centre which feeds an antenna system mounted at the height of 175 metres on Doordarshan tower giving an effective radiated power of 15 KW. This provides a high quality interference-free service within the line of sight. A similar service has been introduced in Delhi also.

1.1.10. In its external Services, AIR now reaches 54 countries all over the globe. The programmes are broadcast in 16 foreign and 7 Indian Languages, besides full fledged service in the Urdu and English language spoken and understood in the Indian sub-Continent.

1.1.11. Objectives of All India Radio :

Broadcasting in India being a national service, constitutes the most powerful medium of mass communication. It plays a significant role, as a medium of information and education, in a developing country like India, where the reach of other communicating media is not extensive.

1.1.12. All India Radio keeps the people all over the country informed quickly about Government policies, plans, programmes and achievements, through the medium of sound broadcasting by a variety of programmes. It also keeps the people informed of the important news and current events of topical interest and provides an appreciable amount of entertaining programmes. Through its broadcasting, AIR seeks to promote education, national integration and also develop various aspects of Indian culture. It also gives timely assistance to public and Government Departments by quick dissemination of information during natural clamities. It runs a Commercial Service which helps in promoting sale of goods and services through advertisements. In short, it informs, educates and entertains people in different languages, through a variety of programmes on cultural, educational, scientific, agricultural, health, hygiene, fine arts, socio-cultural themes, etc. and earns substantial revenue for the Government, through Commercial Broadcasting.

1.1.13. आकाशवाणी के लिए 3 टिअर प्रसारण प्रद्धति

आकाशवाणी विद्यमान व्यवस्थाओं में जो अनेक कमियां हैं, उन्हें दूर करने के प्रयास में है और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय सेवा के लिए प्रसारण की 3-टिअर पद्धति पर कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय सेवा राष्ट्रीय जीवन के प्रमुख स्पेक्ट्रम को प्रतिबिम्बित करने का प्रयास कर रहा है और क्षेत्रीय तथा स्थानीय सेवाओं के अनुपूरक के रूप में कार्य कर रहा है। नागपुर स्थित 1000 कि.वा. ट्रांसमीटर का अप्रैल, 1982 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा शिलान्यास किया गया था, उससे देश की लगभग 80% जनसंख्या को कवरेज मिलेगा। राष्ट्रीय चैनल में केन्द्रीयकृत रूप से तैयार किए गए हिन्दी और अंग्रेजी के समाचार बुलेटिन, संगीत, न्यूजरील, स्पोकनवर्ड तथा अन्य सामयिक विषयक कार्यक्रम आदि शामिल होंगे। राष्ट्रीय चैनल के प्रारम्भ हो जाने से, विद्यमान क्षेत्रीय केन्द्र 'मिडिल टिअर' की श्रेणी में आ जाएंगे। इस बात पर जोर दिया जायेगा कि क्षेत्रीय कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं में ही प्रसारित किए जाएं। स्थानीय रेडियो स्टेशन जो कि तीसरे टिअर के अन्तर्गत आते हैं, यह प्रसारण के क्षेत्र में नया पहलू है। जिला मुख्यालय स्थित प्रत्येक स्टेशन एक छोटे से क्षेत्र की सेवा करेगा। स्टेशन की कार्यक्रम पद्धति लचीली होगी तथा स्वतः प्रवर्तित होगी ताकि वह स्थानीय समुदाय के एक पक्ष-वक्ता के रूप में कार्य कर सके।

1.1.14. प्रसारण की महत्वपूर्ण घटनाएं

जून, 1983 में आकाशवाणी के प्रारम्भ होने से लेकर आज तक की सभी महत्वपूर्ण घटनाएं घटनाक्रम के अनुसार अनुलग्नक I में दी गई हैं।

1.1.15. महानिदेशकों के नाम

उन व्यक्तियों के नाम जिन्होंने प्रसारण नियंत्रक/महानिदेशक का उच्चतम पद सम्भाला है, अनुलग्नक-II में दिए गए हैं। जिस अवधि तक वे इस पद पर बने रहे हैं, वह भी अनुलग्नक-II में दर्शायी गई है।

1.1.13. 3-Tier Broadcasting System for A.I.R. :

All India Radio is embarking on a three tier system of broadcasting of national, regional and local services in an effort to remove several deficiencies in the existing arrangements. The national service attemps to reflect fully the broad spectrum of national life and act complementary to the regional and local services. The coverage of the 1000 KW transmitter at Nagpur, the foundation stone for which was laid by the Late Prime Minister Mrs. Indira Gandhi, in April, 1982, will provide coverage to about 86% of the country's population. The national channel will include centrally originated news bulletins in Hindi and English, music, news reels, spokenword and other topical programmes. With the commission of the national channel, the existing regional centres would form the middle tier. The emphasis would be on regional programmes in the regional languages. Local radio stations, which form the third tier is a new concept in broadcasting. To be located at District headquarters, each station would serve a small area. The programme pattern of the stations would be flexible and spontaneous to enable the station to function as a mouthpiece of the local community.

1.1.14. Important Events of Broadcasting :

All important happening in broadcasting since its inception in June, 1923 till date are given in the chronological order in Annexure I.

1.1.15. Names of Director General :

The names of persons who have held the highest post of Controller of Broadcasts/Directors General are given in Annexure II. The period for which the post was held by them is also given in Annexure II.

अनुलग्नक-I

(देखिए पैरा 1.1.14)

प्रसारण की महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक नजर

जून, 1923	रेडियो क्लब, बम्बई द्वारा कार्यक्रमों का प्रसारण।
नवम्बर, 1923	कलकत्ता रेडियो क्लब द्वारा कार्यक्रम का प्रसारण प्रारम्भ।
16 मई, 1924	मद्रास प्रेसीडेंसी रेडियो क्लब स्थापित किया गया।
31 जुलाई, 1924	क्लब द्वारा प्रसारण सेवा प्रारम्भ की गई।
23 जुलाई, 1927	इंडियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी के बम्बई केन्द्र का भारत के वाययराय लार्ड इरविन द्वारा उद्घाटन।
26 अगस्त, 1927	इंडियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी का कलकत्ता केन्द्र खोला गया।
1 मार्च, 1930	इंडियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी बन्द हो गई।
1 अप्रैल, 1930	प्रयोगात्मक आधार पर उद्योग और श्रम विभाग के अधीन 'इंडियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सर्विस' प्रारम्भ की गई।
मार्च, 1935	प्रसारण नियंत्रक एक नए विभाग का गठन किया गया।
30 अगस्त, 1935	श्री लायनेल फील्डन ने भारत के प्रथम प्रसारण नियंत्रक का कार्यभार ग्रहण किया।
8 जून, 1936	इंडियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सर्विस का नाम 'आल इण्डिया रेडियो' रखा गया।
नवम्बर, 1937	'आकाशवाणी' को संचार विभाग के अधीन लाया गया।
1 अक्तूबर, 1939	पश्तो के साथ विदेश सेवा प्रारम्भ की गई।
24 अक्तूबर, 1941	'आकाशवाणी' को सूचना और प्रसारण विभाग के अधीन लाया गया।
23 फरवरी, 1946	'आकाशवाणी' को सूचना और कला विभाग के अधीन लाया गया।
10 सितम्बर, 1946	सूचना और कला विभाग का नाम बदलकर सूचना और प्रसारण विभाग कर दिया गया।
1947 (विभाजन के समय)	भारत में छः रेडियो स्टेशन ((दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, तिरुचिरापल्ली और लखनऊ) तथा पाकिस्तान में तीन रेडियो स्टेशन (पेशावर, लाहौर और ढाका)।

स्वतंत्रता के पश्चात की महत्वपूर्ण घटनाएं

20 जुलाई, 1952	आकाशवाणी से संगीत का प्रथम राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारित किया गया।
29 अप्रैल, 1953	आकाशवाणी से वार्ताओं (अंग्रेजी) का राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रारम्भ।
1954	प्रथम रेडियो संगीत सम्मेलन आयोजित किया गया।
15 अगस्त, 1956	रूपकों के अखिल भारतीय कार्यक्रम का प्रारंभ।
3 अक्तूबर, 1957	विविध भारती सेवा का प्रारम्भ।
1 नवम्बर, 1959	दिल्ली में प्रथम दूरदर्शन केन्द्र (उस समय दूरदर्शन आकाशवाणी का एक भाग था)।
1 नवम्बर, 1967	आकाशवाणी की विज्ञापन सेवा का प्रारम्भ।
अगस्त, 1968	वार्ताओं (हिन्दी) का राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रारम्भ।
1974	आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार प्रारम्भ किए गए।
1 अप्रैल, 1976	दूरदर्शन को आकाशवाणी से अलग किया गया।
30 अक्तूबर, 1984	नागरकोइल में प्रथम स्थानीय केन्द्र प्रारम्भ किया गया।

Annexure I

(Paragraph 1.1.14)

Important Events of Broadcasting at a Glance

June, 1923	Broadcast of programmes by the Radio Club of Bombay.
November, 1923	Calcutta Radio Club puts out programmes.
16th May, 1924	Madras Presidency Radio Club founded.
31st July, 1924	Broadcasting Service initiated by the Club.
23rd July, 1927	Indian Broadcasting Company (IBC), Bombay Station inaugurated by Lord Irwin — the Viceroy of India.
26th August, 1927	Calcutta Station of IBC inaugurated.
1st March, 1930	IBC goes into liquidation.
1st April, 1930	Indian State Broadcasting Service under Department of Industries and Labour commences on experimental basis.
March, 1935	A new Department Controller of Broadcasts constituted.
August 30, 1935	Lionel Fielden appointed the first Controller of Broadcasting in India.
June 8, 1936	Indian State Broadcasting Service becomes All India Radio.
November, 1937	AIR comes under Department of Communication.
1st October, 1939	External Services Started with Pushtu Broadcast.
October 24, 1941	AIR comes under Department of I & B.
23rd February, 1946	AIR comes under the Department of Information and Arts.
10th Septebmer, 1946	Deptt. of Information & Arts changed to Deptt. of Information & Broadcasting.
1947(at the time of partition)	Six Radio Stations in India (Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Tiruchirapalli and Lucknow) and three Radio Stations in Pakistan (Peshawer, Lahore and Decca).

Important Events after Independence

July 20, 1952	First National Programme of Music broadcast from AIR.
April 29, 1953	National Programme of Talks (English) commences from AIR.
1954	First Radio Sangeet Sammelan held.
August 15, 1956	National Programme of Plays commences.
October 3, 1957	Vividh Bharati Service started.
November 1, 1959	First TV station in Delhi (at that time a part of AIR).
November 1, 1967	Commercials on Vividh Bharati started.
August, 1968	National Programme of Talks (Hindi) started.
1974	Akashvani Annual Awards instituted.
April 1, 1976	TV separated from AIR.
October 30, 1984	First Local Station at Nagercoil started.

अनुलग्नक–II

(देखिए पैरा 1.1.15)

उन अधिकारियों के नाम, जिन्होंने महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद को सुशोभित किया है

क्रम	नाम	अवधि	सेवा/काडर जिससे सम्बन्धित
1.	श्री नायनेल फील्ड	1935 से 1943	–
2.	श्री ए.एस. बुखारी	1943 से 1947	कार्यक्रम अधिकारी
3.	श्री पी.सी. चौधरी	1947 से 1948	भारतीय सिविल सेवा
4.	कर्नल एन.ए.एस. लक्ष्मन्न	1948 से 1952	कार्यक्रम अधिकारी
5.	श्री एम. लाल	—	भारतीय सिविल सेवा
6.	श्री सी.बी. राव	—	– तदैव –
7.	श्री जे.सी. माथुर	1955 से 1960	कार्यक्रम अधिकारी
8.	श्री बी.पी. भट्ट	1960 से 22.4.65 (अपराह्न)	कार्यक्रम अधिकारी
9.	श्री वाई.एन. वर्मा*	22.4.65 से 23.6.65 (अपराह्न)	भारतीय प्रशासनिक सेवा
10.	डा. वी.के. नारायणन् मेनन	24.6.65 से 13.5.68	कार्यक्रम अधिकारी
11.	श्री ए.के. सेन	7.6.68 से 17.1.72	– तदैव –
12.	श्री एस.के. मुखर्जी	10.3.72 से 26.6.74 (पूर्वाह्न)	भारतीय प्रशासनिक सेवा
13.	श्री पी.सी. चटर्जी	26.6.74 से 31.3.79 (अपराह्न)	कार्यक्रम अधिकारी
14.	श्री एस.के. सहगल **	1.4.79 से 28.9.79	भारतीय प्रशासनिक सेवा
15.	श्री यू.एल. बरूआ	29.9.79 से 30.4.81	कार्यक्रम अधिकारी
16.	श्री के.सी. शर्मा	7.7.81 से 31.7.82	– तदैव –
17.	श्री सुरेश माथुर	1.8.82 से 30.1.83	भारतीय प्रशासनिक सेवा
18.	श्री एस.एस. वर्मा	31.1.83 से 14.2.85	– तदैव –
19.	श्री सुरेश माथुर	4.3.85 से 3.3.87	– तदैव –

* संयुक्त सचिव (प्रसारण) के पद के अतिरिक्त पदभार सम्भाले रखा।

** उपनिदेशक : महानिदेशक, आकाशवाणी का पदभार सम्भाले रखा।

Annexure II

(Paragraph 1.1.15)

Names of Officers who had held the Office of the Director General, All India Radio, New Delhi.

S. No.	Name	Period	Service/Cadre to which belonged
	S/Shri		
1.	Lionel Fielden	1935 to 1943	
2.	A.S. Bokhari	1943 to March, 1947	Programme Officer
3.	P.C. Chowdhry	1947 to 1948	Indian Civil Service
4.	Col. N.A.S. Lakshmanan	1948 to 1952	Programme Officer
5.	M. Lal		Indian Civil Service
6.	C.B. Rao		Indian Civil Service
7.	J.C. Mathur	1955 to 1960	Indian Civil Service
8.	B.P. Bhatt	1960 to 22.4.1965 (AN)	Programme Officer
9.	Y.N. Verma*	22.4.65 to 23.6.65 (AN)	Indian Administrative Service
10.	Dr. V.K. Narayana Menon	24.6.65 to 13.5.68	Programme Officer
11.	A.K. Sen	7.6.68 to 17.1.72	Programme Officer
12.	S.K. Mukherjee	10.3.72 to 26.6.74(FN)	Indian Administrative Service
13.	P.C. Chatterjee	26.6.74 to 31.3.79(AN)	Programme Officer
14.	**S.K. Sehgal	1.4.79 to 28.9.79	Indian Administrative Service
15.	U.L. Baruah	29.9.79 to 30.4.81	Programme Officer
16.	K.C. Sharma	7.7.81 to 31.7.82	Programme Officer
17.	Suresh Mathur	1.8.82 to 30.1.83	Indian Administrative Service
18.	S.S. Verma	31.1.83 to 14.2.85	Indian Administrative Service
19.	Suresh Mathur	4.3.85 to 3.3.87	Indian Administrative Service

* He held current charge of the post in addition to Joint Secretary (Broadcasting).

** He held current charge of the duties of DG: AIR: DD.